ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–७४
दिनांक– शुक्रवार, २९ सितम्बर, २०२३

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.7 एवं 24.2 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 92 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 80 प्रतिशत, हवा की औसत गति 2.4 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 2.1 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 26.8 एवं दोपहर में 33.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में वर्षा नही हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(30 सितम्बर से 04 अक्टूबर, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 30 सितम्बर से 04 अक्टूबर, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में हल्के से मध्यम बादल छाए रह सकते हैं। अगले 24–36 घंटो के दौरान तराई एवं मैदानी भागो के जिलों में वर्षा की सम्भावना कम है। उसके बाद 1–4 अक्टूबर के बीच मानसून सक्रिय होने के प्रभाव से उत्तर बिहार के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है तथा कुछ स्थानों पर भारी वर्षा भी होने की सम्भावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 31 से 35 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 23–26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- औसतन 10–18 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्य रूप से पुरवा हवा हवा चलने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- अगले 24–36 घंटो के बाद तराई एवं मैदानी जिलों में वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई इस अवधि में कीटनाशी दवाओं का छिड़काव स्थगित रखें। कीटनाशी दवाओं का छिड़काव आसमान साफ रहने पर हीं करें।
- धान की फसल जो दुग्धाअवस्था में आ गयी हो उसमें गंधी बग कीट की निगरानी करें। इस कीट के शिशु एवं प्रौढ़ दोनों पौधों के बालियों का रस चुसना प्रारंभ कर देती हैं जिससे दाने खोखले एवं हल्के हो जाते हैं तथा छिलका का रंग सफेद हो जाता है। धान की दुग्धावस्था में यह पौधों को अधिक क्षति पहुचाती है जिससे उपज में काफी कमी होता है। इसके शरीर से विशेष प्रकार का बदबु निकलती है, जिसकी वजह से इसे खेतों में आसानी से पहचाना जा सकता है। इसकी संख्या जब अधिक हो जाती है तो एक–एक बाल पर कई कीट बैठे मिलते है।
- धनबाल निकलने की अवस्था में जो मक्का की फसल आ गयी हो उसमें 30 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। कीट एवं रोग व्याधि की निगरानी फसल में नियमित रुप से करें।
- अगात रबी फसल के लिए खेत की तैयारी शुरु करें। फसलों की स्वस्थ एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के लिए सड़ी–गली गोबर खाद का प्रबंध करें। 150–200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पूरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। यह खाद भूमि की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाती है।
- उचॉस खेतों में तोरी के लिए खेत की तैयारी के साथ–साथ बुआई करे। खेत की जुताई के समय 100 क्विंटल कम्पोस्ट 30 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर, 40 किलोग्राम पोटास एवं 20 से 30 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। जिंक की कमी वाले खेत में 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। तोरी की आर0ए0यु0टी0एस0–17,पंचाली, पी0टी0–303 एवं भवानी किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है।
- फूलगोभी की पूसा अगहनी,पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक–1, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेधना, काशी कुवाँरी एवं अर्ली स्नोवॉल आदि किस्मों की रोपाई करे। फूलगोभी की पिछात किस्मो जैसे माघी, स्नोकिंग, पूसा स्नोकिंग–1, पूसा–2, पूसा स्नोवॉल–16, पूसा स्नोवॉल के–1 की नर्सरी में बुआई के लिए खेत की तैयारी शुरु करें। पत्तागोभी की प्राइड ऑफ इण्डिया, गोल्डेन एकर, पूसा मुक्ता, पूसा अगेती एवं अर्ली ड्रम हेड किस्मों की बुआई नर्सरी में करें।
- बैगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। शुरुवाती रोक–थाम के लिए बैगन की रोपाई के 10–15 दिनों बाद 1 ग्राम फ्युराडान 3 जी0 दानेदार दवा प्रति पौधा की दर से जड़ के पास मिट्टी में मिला दें। खड़ी फसल में इस कीट का आक्रमण होने पर कीट से ग्रसित तना एवं फल की तुराई कर मिट्टी में गाड़ दें। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड 48 ई0सी0/1 मि0ली0 प्रति 4 लीटर पानी या क्वीनालफॉस 25 ई0सी0 दवा का 1.5 मि0मी0 प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करे।
- सब्जियों की फसलों में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते है। रोग के विस्तार से बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का 0.3 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें।
- अगात रबी फसल के लिए खेत की तैयारी शुरु करें। फसलों की स्वस्थ एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के लिए सड़ी–गली गोबर खाद का प्रबंध करें। 150–200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पूरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। यह खाद भूमि की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाती है।

आज का अधिकतम तापमानः 35.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 25.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)